हाईवे किनारे गुमठी रखकर लोगों ने किया कब्जा

भिंड-इटावा नेशनल हाईवे के दोनों ओर गुमटी रखकर कब्जा करने से वाहन चालकों को होती है परेशानी

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 07 दिसम्बर। शहर के प्रमुख चौराहा इंदिरा गांधी पर लोगों ने गुमटियां रखकर अतिक्रमण कर लिया है। लोगों ने फुटपाथ पर दुकान लगा ली है, जिससे आए दिन हादसे होते हैं। लोगों ने स्थाई से रुप से गुमटी रखकर अपना धंधा जमा लिया है। लेकिन यह गुमटी हाईवे पर दिनभर चलने वाले वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। इन गुमटि ?यों को हटवाने के लिए कभी भी कोई अभियान नहीं चलाया गया है। जबकि कई इन दुकानों की वजह से कई बार बड़े हादसे भी हो चुके है।

यहां बता दें, कि भिंड-इटावा हाईवे पर अतिक्रमणकारियों ने फुटपाथ पर भी कब्जा करना शुरू कर दिया है। जिससे आए दिन हादसे होते हैं। दुकानदारों ने गुमटी रख ली हैं। रही बची कसर वाहनों ने पूरी कर दी है। हाईवे किनारे फुटपाथ पर कब्जा होने के कारण चालक वाहनों को आड़ा-तिरछा खड़ा कर देते हैं। यहीं कारण है कि हर दिन हादसे होते हैं। जिला प्रशासन एवं नगर पालिका की ओर से कई बार अतिक्रमण हटाओ अभियान भी चलाया गया, लेकिन यह अभियान शहर के अंदर तक ही सीमित रहा। हाईवे के फुटपाथ पर कब्जा किए लोगों पर किसी की नजर नहीं गई है। शहर के लोगों ने जिला प्रशासन से अभियान चलाकर फुटपाथ को कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की है। इसके अलावा सड़क किनारे गुमटी वाहन और लोगों की जान के दुश्मन बने बैठे हैं। खासकर कोहरे के समय हादसा होने की संभावनाएं और भी बढ़ जाती हैं। गुमटी वाले अपनी दुकानों के बाहर अतिक्रमण होने के अलावा यहां आसपास के रहवासियों को रोड पर खड़े होने वाले वाहनों से भी परेशानी है। कई बार लोग घर के बाहर वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे रहवासियों को अपने ही घर में जाने के लिए रास्ता नहीं बचता। वाहन हटाने की कहने पर झगड़े की स्थिति बनती है। स्थानीय रहवासी कई बार पुलिस में भी शिकायत कर चुके हैं।

> अभियान चलाकर दुकानों को हटवाएंगे इटावा रोड पर नाले के ऊपर लोगों ने गुमटी रखकर कब्जा कर लिया है, तो हम जल्द अभियान चलाकर हटवाएंगे।
>
> **अखिलेश शर्मा, एसडीएम, भिंड**

लापरवाही के चलते नगरवासियों को लूट रहे व्यापारी

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 07 दिसम्बर। गोहद क्षेत्र में व्यापारियों की मनमानी के चलते हुए ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले भोले-भाले किसानों और लोगों को सब्जी विक्रेता से लेकर किराना व्यापारियों का लूटने का काम खुलेआम चल रहा है। क्योंकि उन कम सामान तौला जा रहे है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे है।

यहां बता दें, कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा गोहद में एक नापतौल विभाग था, जिसको खत्म कर दिया गया है। इससे पिछले चार पांच वर्षों से गोहद नगर में किराना दुकानों से लेकर सब्जी विक्रेता के बांटो पर कोई नई मोहर नहीं लग रही हैं। इन किराना व्यापारी से लेकर सभी सब्जी विक्रेताओं के हौसले बुलंद हैं। क्योंकि शासन इस तरफ ध्यान देना उचित नहीं समझ रहा है। इसके चलते उपभोक्ता को मनमाने ढंग से लूटा जा रहा है। वहीं कुछ व्यापारी जैसे सब्जी व्यापारी, किराना व्यापारी, अनाज व्यापारी की दुकानों पर इलेक्ट्रिक कांटो का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन नापतौल विभाग द्वारा इसकी पुष्टि नहीं की गई। जिसके चलते आमजन को धन व सामान दोनों में ही नुकसान हो रहा है।

> **पत्थर के बांटों से तौलकर सामान बेच रहे व्यापारी**
>
> -जब भी गोहद चौराहा से लेकर गोहद तक सब्जी से लेकर किराना का सामान खरीदने जाते है, तो अधिकतर व्यापारियों द्वारा पत्थर के बांट या बिना मोहर लगे हुए बांटों द्वारा सामान दिया जाता हैं।
>
> **नाथूसिंह सिकरवार, ग्रामीण, जसरथपुरा**
>
> **इलेक्ट्रॉनिक कांटे से तौलते है सामान**
>
> -मैंने अधिकतर किराना एवं सब्जी व्यापारियों से इलेक्ट्रॉनिक कांटो के लाइसेंस से लेकर नापतौल के बारे में जानकारी चाही। लेकिन व्यापारियों द्वारा जवाब दिया जाता है। वहीं व्यापारी बोलते है, कि आपको सामान लेना हैं, तो ले लो। अन्यथा चले जाओ।
>
> **अनूप राजपूत, रहवासी, गोहद**

अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई

सीहोर. पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को जिले में अवैध शराब के विक्रय एवं परिवहन रोक लगाने और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं. जिसके तहत पुलिस द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है. इसी क्रम में जिले की पुलिस द्वारा नवंबर माह में जिले के अनेक क्षेत्रों में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के लिए सघन चेकिंग की गई और कार्यवाहियां भी की गई. पुलिस विभाग द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि नवंबर माह में अवैध मदिरा के विरूद्ध 129 प्रकरण कायम किए गए, जिनमें 2,58,305 रूपये कीमत की 581 लीटर मदिरा एवं 01 मोटर साइकिल जब्त की गई और आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई.

जल निकासी के इंतजाम की प्रतीक्षा में लोग

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 07 दिसम्बर। अटेर विधानसभा के मधैया पुरा पंचायत में स्थित भगवंत पुरा गांव में ग्रामीणों को घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। क्योंकि गांव में कई सालों से जल निकासी के इंतजाम नहीं है। ग्रामीणों का कहना है, कि गांव के सरपंच-सचिव ने नालियां बनवाने के लिए यानि जल निकासी के लिए स्वीकृत हुए रुपए को निकाल राशि हडंप ली है। लेकिन गांव में नालियां नहीं बनाई है। जिसकी वजह से गांव में लोगों के घर के बाहर सालभर से कीचड़ जमा है। ऐसे में लोग घर के बाहर निकल भी नहीं पा रहे है। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। गांव में नालियों को बनवाने के लिए स्थानीय लोग कई बार सरपंच-सचिव से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत कर चुके है, लेकिन अधिकारी समस्या की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि अगर क्षेत्र में बारिश हो जाए, तो सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती हैं। यह एक आम बात है। लेकिन कुछ दिन बारिश नहीं हो, तो वह कीचड़ सूख जाती है। जबकि भगवंत पुरा गांव में बारहमासी सड़क दलदल में तब्दील रहती है। यहां ग्रामीणों का कहना है, कि कीचड़ में दसकर लोगों को निकलना पड़ता है। साथ ही बारिश से घुटनों तक पानी भर जाता है और भी ज्यादा परेशानी समस्या बढ़ जाती है। इसके चलते गांव में कीचड़ और पानी से होकर गुजरने वाले बच्चों को अधिक परेशानी होती है। जबकि गांव की सड़क और नाली बनवाने के लिए पंचायत के सचिव ने रुपए भी निकल लिए है। भी निर्माण कार्य नहीं कराया जा रहा है। भगवंत पुरा गांव में जल निकासी के लिए कोई इंतजाम नहीं है। यहां नालियां भी नहीं बनी हुई है। जिस वजह से सड़क बारहमासी दलदल में तब्दील रहती है। इससे लोगों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सड़क से वाहन तो दूर पैदल तक नहीं निकल पा रहे हैं। लोग कीचड़ से धसकर निकल को मजबूर हो रहे हैं।

छात्रा की आत्महत्या का मामला उलझा,चैट और सोशल मीडिया मैसेज बने अहम सुराग

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 07 दिसम्बर। शहर के एमजेएस कॉलेज में पढ़ने वाली 20 वर्षीय छात्रा ज्योति जाटव की आत्महत्या का मामला अब लगातार पेचीदा होता जा रहा है। मोबाइल चैट, इंस्टाग्राम मैसेज और परिजनों को भेजे गए स्क्रीनशॉट ने इस मामले को पढ़ाई से आगे बढ़कर दोस्ती, प्रेम, मानसिक दबाव और धोखे से जोड़ दिया है। शुरुआती तौर पर साधारण आत्महत्या माना गया यह मामला अब उकसाने और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर सवालों के बीच उलझ गया है।

यह पूरा मामला पिछले मंगलवार 2 दिसंबर से शुरू हुआ, जब देव नगर पेच नंबर-2 निवासी ज्योति घर से निकली और कुछ देर बाद चंबल पुल पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह कुछ देर तक मोबाइल फोन चलाती रही और अचानक नदी में कूद गई। मौके पर मौजूद मछुआरों ने तुरंत सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद गोताखोरों की मदद से उसका शव बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे सामान्य आत्महत्या मान रही थी, लेकिन मामले ने अचानक नया मोड़ तब लिया, जब परिवार को ज्योति का आखिरी संदेश मिला। ज्योति ने आत्महत्या से ठीक पहले अपने भाई को मैसेज भेजकर कुछ लोगों को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया।

मैसेज में पांच नाम लिखे गए थे। इसी आधार पर फूप थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच दोबारा शुरू हुई। पुलिस ने जिन युवकों के नाम सामने आए थे, उनमें पवन राजावत, दीपक गर्ग और राजन राजावत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि इसमें शामिल बताई जा रही दो युवतियां फरार हैं। जांच के दौरान जब पुलिस ने मोबाइल चैट, कॉल हिस्ट्री और इंस्टाग्राम मैसेज खंगाले तो कई चौंकाने वाली जानकारी सामने आई।

पुलिस को प्राप्त चैट में दीपक गर्ग से संबंध होने और बाद में विवाद बढ़ने के संकेत मिले हैं। एक अन्य चैट में उसने युवक राजन राजावत के साथ रिलेशन और उससे जुड़े विवाद का जिक्र किया है। कुछ संदेशों में मानसिक दबाव, ब्लैकमेलिंग और भावनात्मक रूप से परेशान किए जाने जैसे संकेत भी मिले हैं। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि क्या आरोपियों ने उसे धमकाया था या उसके निजी संबंधों को उजागर करने का भय दिखाया गया था। पुलिस के लिए यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि ज्योति चंबल पुल तक अकेले कैसे पहुंची, आत्महत्या से पहले वह किन-किन लोगों से संपर्क में थी और घटना के दौरान मोबाइल फोन से उसने किन चैट या कॉल्स का आदान-प्रदान किया।

उसके बैग से शराब का क्वार्टर मिलने की बात भी सामने आई है, जिसके आधार पर पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या घटना से पहले कोई पार्टी या विवाद हुआ था। इस समय तीनों आरोपी युवक न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि दोनों युवतियों की तलाश जारी है। पुलिस फोन डेटा, सोशल मीडिया अकाउंट और कॉल रिकॉर्ड को तकनीकी तौर पर खंगाल रही है। फिलहाल पुलिस इस मामले को 'एबेटमेंट टू सुसाइड' यानी आत्महत्या के लिए उकसाने के दृष्टिकोण से देख रही है। ज्योति की मौत ने सिर्फ एक परिवार को नहीं, बल्कि कॉलेज और शहर के छात्रों को भी सवालों के बीच खड़ा कर दिया है। क्या दोस्ती भरोसा बन पाई या दबाव, धोखे और भय ने एक छात्रा की जिंदगी समाप्त कर दी इसका जवाब अब पुलिस जांच से ही सामने आएगा।

भिंड से भोपाल के लिए रवाना होंगे सैकड़ों आंदोलनकारी, 9 को विशाल धरना

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 07 दिसम्बर। भिंड जिले सहित पूरे प्रदेश की ज्वलंत समस्याओं को लेकर लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश के आह्वान पर सोमवार को जिले के विभिन्न हिस्सों से आंदोलनकारी बड़ी संख्या में भोपाल के लिए कूच करेंगे। ये सभी कार्यकर्ता 9 दिसंबर को नीलम पार्क, भोपाल में होने वाले एक दिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन में शामिल होंगे। इस आंदोलन की अगुवाई पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक और वरिष्ठ चिंतक माननीय रघु ठाकुर करेंगे।

धरना-प्रदर्शन की सबसे प्रमुख और प्राथमिक मांग भिंड जिले में पीपीपी मॉडल के बजाय पूर्णत: शासकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना है। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा है कि आम जनता विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को निजी भागीदारी से संचालित मेडिकल संस्थानों में महंगे उपचार और शिक्षा का सामना करना पड़ता है। इसलिए भिंड में मेडिकल कॉलेज केवल शासन की पूर्ण जिम्मेदारी में ही स्थापित हो, ताकि क्षेत्र के लोगों को किफायती तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसी के साथ कटनी जिले में भी शासकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना की मांग उठाई जाएगी। पार्टी नेताओं ने बताया कि प्रदेश के शहडोल, कटनी और कई अन्य जिलों में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे बढ़ते जा रहे हैं। इन्हें तत्काल हटाकर दोषियों पर आपराधिक कार्रवाई की मांग भी धरने में की जाएगी। वहीं बरही-मैहर मार्ग पर बने महानदी पुल को उद्घाटन न होने के कारण जनहित प्रभावित हो रहा है। आंदोलनकारी इस पुल को जल्द से जल्द यातायात के लिए खोलने का आग्रह करेंगे। किसान हित भी इस धरना-प्रदर्शन के मुख्य केंद्र में रहेगा। आंदोलन में बुजबुजा और डोकरिया ग्राम के किसानों की उस भूमि को वापस दिलाने की मांग की जाएगी, जिसे बेलस्पन पावर प्रोजेक्ट के नाम पर कथित रूप से जबरन दर्ज किया गया है। इसके अलावा अति वर्षा से नुकसान झेल चुके किसानों को 20 हजार प्रति एकड़ मुआवजा देने, हर फसल सीजन में समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने और पंचायत स्तर पर पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने की मांग भी प्रमुख रूप से रखी जाएगी। खंडवा से लेकर भिंड तक स्थानीय समस्याओं को भी सामाजिक मुद्दों के रूप में उठाया जाएगा। धरने में बरुआ नगर, भिंड में आम रास्ते पर दबंगों द्वारा किए गए कब्जे को हटाकर आने-जाने का मार्ग खोलने और संबंधित लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की जाएगी। साथ ही प्रदेशभर में अतिथि विद्वानों के समय पर नियमितीकरण के मुद्दे को भी जोरदार रूप से उठाया जाएगा। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी ने कहा है कि यदि भोपाल धरने के बाद भी सरकार ने इन जन मुद्दों पर ठोस निर्णय नहीं लिया, तो आगामी फरवरी में दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़ा राष्ट्रीय आंदोलन किया जाएगा। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि यह लड़ाई प्रदेश की जनता की बुनियादी जरूरतों, अधिकारों और सम्मान की लड़ाई है, जिसे हर हाल में जारी रखा जाएगा।

जिला अस्पताल में लंगूर की आमद, सुरक्षा पर उठते सवाल

नवभारत न्यूज
मेहगांव, 07 दिसम्बर। जिला अस्पताल के अंदर लंगूर की उपस्थित सुरक्षा की द्रष्टी से एक गंभीर सबाल होकर सुरक्षा कर्मियों पर सबालिया निशान भी,जिला अस्पताल के महिला प्रसूति वार्ड की गैलरी मे लंगूर का प्रवेश कर जाना आखिर मेन गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मी की अन उपस्थित का प्रमाण है,लंगूर आखिर एक वन्य जीव होने के साथ किसी महिला या बच्चे के साथ कोई अनहोनी घटना घटित कर दे तो आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन होगा,अस्पताल के हर दरवाजे पर सुरक्षा कर्मी तैनात रहते है फिर भी लंगूर का अस्पताल के महिला प्रसूति वार्ड की गैलरी तक पहुच जाना सुरक्षा कर्मियों सहित प्रवंधन की लापरवाही का नतीजा ही है,आखिर कार अस्पताल की सुरक्षा सदैव सबालो के घेरे मे रही हे बडी बडी घटनाओ को अस्पताल परिसर देख और सहन कर चुका है फिर भी लापरवाही का यह आलम कब किस घटना को अंजाम दे जाये अस्पताल की सुरक्षा संबधी व्यवस्था का भगवान ही मालिक है ।

सुबह-शाम पड़ रही ठंड, दिन में निकल रही धूप

भिंड। मौसम बदलने के साथ जिले में ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। सुबह और शाम के समय ठंडी हवाओं के कारण ठिठुरन महसूस की जा रही है, वहीं दिन में हल्की धूप निकलने से दोपहर के समय मौसम सुहावना बना हुआ है। सुबह के वक्त धुंध और कोहरे की हल्की परत दिखाई देने लगी है, जिससे आवागमन पर भी थोड़ा असर पड़ रहा है। लोग अब गर्म कपड़ों का उपयोग बढ़ा रहे हैं, वहीं रात के समय तापमान में गिरावट भी दर्ज की जा रही है।

बंद पड़े फिलिंग सेंटर के पास मिला 40 वर्षीय युवक का शव

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 07 दिसम्बर। उमरी थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां लंबे समय से बंद पड़े राजावत फिलिंग सेंटर के पास जामुन के पेड़ से 40 वर्षीय व्यक्ति का शव लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार उमरी कस्बे में रहने वाला मंतोली पुत्र भिखारीलाल खटीक (उम्र 40) रविवार दोपहर घर से काम पर जाने की बात कहकर निकला था। शाम करीब 5 बजे राहगीरों ने कस्बे से करीब 2 से 3 किलोमीटर दूर जामुन के पेड़ से एक व्यक्ति को फांसी पर लटका देखा। पास जाकर पहचान की गई तो मृतक मंतोली खटीक निकला। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शिवप्रताप सिंह राजावत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फांसी पर लटके शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा तैयार किया और लोडिंग वाहन से पोस्टमार्टम हेतु भिंड जिला अस्पताल भेजा। परिजनों ने बताया कि मंतोली दमा और शुगर की बीमारी से लंबे समय से पीड़ित था और इसी कारण मानसिक तनाव में रहता था। वह फुटपाथ पर हाथ ठेला लगाकर परिवार का पालन-पोषण करता था। अचानक हुई इस घटना से परिवार में मातम छा गया है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों पर स्थिति स्पष्ट होगी।

महापरिनिर्वाण दिवस पर अकादमी में संगोष्ठी,बाबा साहब के आदर्शों पर विचार

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 07 दिसम्बर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई आलमपुर द्वारा शनिवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर रघुवर शिक्षा अकादमी स्कूल में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को बाबा साहेब के संघर्षपूर्ण जीवन, सामाजिक न्याय के सिद्धांतों और समाज में समानता स्थापित करने के उनके प्रयासों से अवगत कराना रहा।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं प्राचार्य हरीश आर्य ने बाबा साहेब के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने संविधान निर्माण में उनकी अप्रतिम भूमिका का उल्लेख करते हुए छात्रों से कहा कि वे संविधान में निहित मूल्यों समानता, शिक्षा और अधिकार को अपने जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने हमेशा समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने के प्रयास किए और यही उनके जीवन का मूल उद्देश्य रहा। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित एबीवीपी कार्यकर्ता शिवम कौरव ने 'सामाजिक समरसता' के सिद्धांत को समझाते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने बताया कि डॉ. अंबेडकर ने ऐसी व्यवस्था की कल्पना की थी, जिसमें हर वर्ग को समान अवसर और सम्मान मिले। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं तथा विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। उपस्थित छात्र-छात्राओं ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में एबीवीपी नगर इकाई आलमपुर ने कहा कि यह आयोजन बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि है। परिषद द्वारा आगे भी ऐसे वैचारिक और प्रेरणात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि युवा पीढ़ी देश के महान व्यक्तित्वों और उनके मूल्यों से प्रेरणा ले सके।

होमगार्ड की वर्दी जनता के विश्वास का प्रतीक

सीएम ने की 'मुख्यमंत्री अदम्य साहसिक कार्य पुरस्कार' की घोषणा

भोपाल, 06 दिसंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 63 वें होमगार्ड स्थापना दिवस कार्यक्रम में शनिवार को शामिल हुए. डॉ. यादव ने इस मौके पर 'मुख्यमंत्री अदम्य साहसिक कार्य पुरस्कार' की घोषणा करते हुए होमगार्डों के लिए कई लाभ देने की बात भी कही.

> समारोह में होमगार्ड्स द्वारा बोरवेल रेस्क्यू और बिल्डिंग रेस्क्यू का लाइव प्रदर्शन किया गया. होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा प्रबंधन विभाग की महानिदेशक प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव ने विभाग की उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी दी. कार्यक्रम में अल्प संख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित अधिकारी उपस्थित रहे.

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि होमगार्ड की वर्दी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि राष्ट्रधर्म और जनता के विश्वास का प्रतीक है. उन्होंने जवानों की भावना को सम्मान देते हुए कहा कि होम गार्ड सैनिक, पुलिस, रक्षक, प्रहरी की भूमिका में जहां जरूरत वहां अपनी सेवायें पूर्ण निष्ठा और समर्पण से देते हैं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होमगार्ड्स के सभी जवानों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि आपकी निष्ठा, आपकी वीरता और आपकी सेवा को नमन करता हूँ। उन्होंने बाबा महाकाल से सभी जवानों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को होमगार्ड्स परेड ग्राउंड भोपाल में होम गार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया. मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। होम गार्ड्स के जवानों ने बैंड की धुन पर मार्च पास्ट किया. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'मुख्यमंत्री अदम्य साहसिक कार्य पुरस्कार' की घोषणा की, जिसके अंतर्गत कठिन परिस्थितियों में जान-माल की रक्षा करने वाली 10 रेस्क्यू टीमों को प्रतिवर्ष 51 हजार रुपये दिए जाएंगे।

इसके अंतर्गत इन्दौर, शिवपुरी, गुना, रायसेन, मंडला, नरसिंहपुर, रीवा, छतरपुर, टीकमगढ़ और उज्जैन की रेस्क्यू टीमों को सम्मानित किया गया। उन्होंने तीन वर्ष में मिलने वाले दो माह के बाध्य काल ऑफ को समाप्त करने और प्रतिवर्ष मिलने वाली अनुकंपा अनुदान राशि 360 रुपये को बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उज्जैन स्थित महाकाल ज्योर्तिलिंग एवं महाकाल लोक की व्यवस्था के लिए होमगार्ड के 488 पदों की स्वीकृति दी गई है। प्रदेश के प्रमुख मंदिरों और महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक बल उपलब्ध कराया जाएगा। नए जिलों में आवश्यकता के अनुरूप अतिरिक्त पद सृजित किए जाएंगे। आपदा प्रबंधन में त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता को देखते हुए बल के अधिकारियों और जवानों को कार्यस्थल के निकट आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आपदा प्रबंधक क्षमता को किया जा रहा है सशक्त की योजनाओं, पीपीपी मॉडल और पुनर्घनत्वीकरण योजना के अंतर्गत स्थाई आवास की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आधुनिक उपकरण, अत्याधुनिक प्रशिक्षण और आपदा प्रबंधन क्षमता को लगातार सशक्त कर रही है. प्रदेश में 82 हजार से अधिक नागरिक सुरक्षा वालंटियर्स पंजीकृत हैं, जिनमें से 67 हजार 784 को विशेष प्रशिक्षण दिया जा चुका है. इंदौर के रालामंडल क्षेत्र को एसडीईआरएफ, होमगार्ड और सिविल डिफेंस के लिए विशेष प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ बाढ़, भूकंप, भीड़ प्रबंधन, औद्योगिक एवं रासायनिक आपदाओं के प्रशिक्षण संचालित होंगे। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए अभी से तैयारी प्रारंभ कर दी गई है और पाँच हजार से अधिक होमगार्ड भर्ती का लक्ष्य रखा गया है।

पीपीसीए ने शुजालपुर को किया पराजित

नवभारत न्यूज
सीहोर 7 दिसंबर. शुजालपुर में खेली गई क्रिकेट प्रतियोगिता में शहर की बीएसआई में पीपीसीए अकादमी के खिलाड़ियों ने खिताबी मुकाबले में शुजालपुर को हराकर ट्राफी पर कब्जा किया.

फाइनल मैच में अकादमी की ओर से प्रतिभाशाली हरफनमौला खिलाड़ी दीपेश सेन ने 76 रन की पारी खेली, वहीं नमन ने चार विकेट हासिल किए। इस मौके पर पीपीसीए अकादमी के कोच आदर्श राय और अतुल त्रिवेदी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. अकादमी के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि पहले बल्लेबाजी करने उतरी पीपीसीए टीम ने निर्धारित 50 ओवर में तेजी से बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट खोकर 311 रन बनाए थे. इसमें हरफनमौला खिलाड़ी दीपेश सेन ने 76 रन, इशान ने 59 रन और अंश गावा ने 55 रन बनाए थे. लक्ष्य का पीछा करने उतरी शुजालपुर की पूरी टीम 34 ओवर में सिमट गई. इस मैच में पीपीसीए की ओर से गेंदबाजी करते हुए नमन ने चार विकेट, केशवादित्य ने दो विकेट, दीपेश, नवनीत और अंश गावा ने एक-एक विकेट हासिल किया.

चिकित्सालय में आधुनिक सर्जिकल प्रशिक्षण

सीहोर. जिला चिकित्सालय में जॉनसन एंड जॉनसन संस्थान ऑन व्हील स्किल लैब द्वारा सूचर सिम्युलेटर एवं मॉडल्स के माध्यम से प्रायोगिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया. प्रशिक्षण में जिला चिकित्सालय सहित जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं के चिकित्सकों, सर्जनों, नर्सिंग अधिकारियों, ओटी टेक्नीशियन और ड्रेसर्स को आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया.